॥ ओम शान्ति ॥

नवरात्री महोत्सव पर स्वमानों का अभ्यास

22/9/25 सर्व दु:खी और अशान्त आत्माओं को सुख, शान्ति का अमर वरदान देकर सबकी मनोकामनाएँ पूर्ण करने वाली मैं **माँ जगदंबा** हूँ।

23/9/25 सर्व शक्तिमान परमात्मा शिव से प्राप्त ईश्वरीय शक्तियों द्वारा विकारों रुपी म्हैषासूर का नाश करने वाली मैं शिव स्वरुपा **माँ दुर्गा** हूँ।

24/9/25 सर्व आत्माओं को ज्ञान धन एवं गुण रुपी हीरे-मोतियों से सुसज्जित कर सुख समृद्धि का अखुट भंडारा देने वाली, सर्व की आराध्य देवी मैं **माँ लक्ष्मी** हूँ।

25/9/25 ज्ञान वीणा के झनकार द्वारा मानव को अज्ञान, अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाली मैं श्वेत वस्त्र धारिणी, हंस वाहिनी, तपस्विनी, ब्रह्माकुमारी **माँ सरस्वती** हूँ।

26/9/25 मनुष्य आत्माओं पर लगे हुए आसुरी संस्कारों के कलंक को मिटाने वाली मैं शिव शक्ति **माँ काली** हूँ।

27/9/25 विषय विकार मिटाकर सर्व मनुष्य मात्र में पवित्रता का प्रकाश भर उन्हें देवत्व प्रदान कराने वाली मैं **वैष्णव देवी** हूँ।

28/9/25 दु:खी और हताश मनुष्य आत्माओं के अंदर उमंग, उल्हास भरने वाली मैं **उमा देवी** हूँ।

29/9/25 विशाद में डूबे मनुष्य आत्माओं के दुखों को दूर कर सबके मन को हर्षने वाली, खुषी का वरदान लुटाने वाली मैं आनंदमय **गायत्री देवी** हूँ।

30/9/25 अशान्त आत्माओं को शान्ति के शीतल जल से भरपूर करनेवाली, दुख की तपिश से सुख की शीतलता में ले जानेवाली, अतृप्त आत्माओं को तृप्ति की शीतलता का अनुभव करानेवाली शिव की शक्ति माँ **शीतलता देवी** हूँ।

1/10/25 मैं उज्ज्वल, निर्मल, सर्व ईश्वरीय प्राप्तियों से संपन्न, असंतुष्ट आत्माओं को संतुष्ट करने वाली मैं संतुष्टमणी, राजयोगिनी, शिव शक्ति **माँ संतोषी** हूँ।

2/10/25 **मैं आत्मा सर्व विकारों रुपी रावण पर विजय प्राप्त कर बाप समान संपूर्ण बन गई हूँ।**